

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण, भोपाल से पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त परियोजनाओं के तकनीकी परीक्षण हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एसईएसी) की 664वीं बैठक दिनांक 28/07/2023 को डॉ. पी.सी. दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें समिति के निम्नलिखित सदस्य स्वयं/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहें :-

1. श्री राघवेन्द्र श्रीवास्तव, सदस्य।
2. प्रो. (डॉ.) रूबीना चौधरी, सदस्य।
3. डॉ. ए.के. शर्मा, सदस्य।
4. प्रो. अनिल प्रकाश, सदस्य।
5. डॉ. जय प्रकाश शुक्ला, सदस्य।
6. डॉ. रवि बिहारी श्रीवास्तव, सदस्य।
7. श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, सदस्य सचिव।

सभी सदस्यों द्वारा अक्षय महोदय के स्वागत के साथ बैठक प्रारंभ करते हुए बैठक के निर्धारित एजेण्डा अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रोजेक्ट्सों का तकनीकी परीक्षण निम्नानुसार किया गया :-

1. Case No 7644/2020 Shri Dulichand Patel, Owner, S/o Babulal Patel, House Number - 67, Gram Majhguwan, Post karrapur, Kerbana, Sagar, M.P. 470337 Prior Environment Clearance for Stone Quarry in an area of 4.0 ha. (50000 cum per annum) (Khasra No. 212 Part), Village - Hathkoh, Tehsil - Devri, Dist. Sagar (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री पुष्पेन्द्र एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएडा, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri Dulichand Patel, Owner, S/o Babulal Patel, House Number - 67, Gram Majhguwan, Post karrapur, Kerbana, Sagar, M.P. 470337
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	212 Part (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि) - चारागाह 4.00 Ha.
स्थल	Village - Hathkoh, Tehsil - Devri, Dist. Sagar (MP).
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सागर के पत्र क्रमांक 3970 दिनांक 21/02/14 के द्वारा स्वीकृत।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-1 Stone Quarry
टॉर	समिति की पूर्व की 460वीं बैठक दिनांक 24/09/20 में उत्पादन क्षमता पत्थर-50,000 घनमीटर/वर्ष के लिए टॉर की अनुशंसा की गई थी।
ब्लास्टिंग / रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है।

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	लागू नहीं
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-1,25,000 टीपीए हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-50,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सागर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 391 दिनांक 14/08/20 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 10 अन्य खदानें संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 38.48 हे. होता है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सागर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 391 दिनांक 14/08/20 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला सागर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 391 दिनांक 14/08/20 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/ संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/ स्टॉप डैम/ नहर/ ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता / नाला नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-8 दिनांक 29/01/12 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	दक्षिण पश्चिम दिशा- प्राकृतिक नाला पूर्व दिशा- पक्की रोड 300 मीटर
जन सुनवाई	प्रस्तावित खदान की जनसुवाई में खदान के पास खेती की जमीन है, धूल की समस्या, जल छिडकाव, वृक्षारोपण, मजदूरों के स्वास्थ्य की समस्या, रोजगार इत्यादि आपत्तियाँ/सुझाव प्राप्त हुए, जिसे पर्यावरणीय प्रबंधन योजना / सी.एस.आर में बजट के साथ शामिल किया गया है।
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के सरल क्रमांक-77 पर दर्ज है।

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

प्रकरण का परीक्षण :-

1. प्रकरण को माइनिंग प्लॉन में दिये गये कोर्डिनेट्स के आधार पर मिलान के आधार पर मिलान किया गया है क्योंकि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में कोर्डिनेट्स में डेसीमल फिगर नहीं दिये गये हैं।
2. टार में टी जंक्शन के पास स्पीड ब्रेकर का प्रावधान किये जाने का उल्लेख था जो कि ईएमपी में कर दिया गया है।
- 3- प्रकरण के प्रस्तुतीकरण के दौरान समिति ने पाया कि (गूगल एमेज अनुसार) इस क्षेत्र से लगे हुये माइनिंग क्षेत्र में पर्यावरणीय अभिस्वीकृति प्राप्त खदानों द्वारा ई.सी. की शर्तों का पालन होना परिलक्षित नहीं हो रहा है। अतः पर्यावरण स्वीकृति में शर्तों के पालन के विषय पर जिला खनन कार्यालय के माध्यम से इनकी शर्तों के सत्यापन की आवश्यकता प्रतीत होती है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. परियोजना भूमि शासकीय चारागाह में उल्लेखित है अतः समतुल्य भूमि ग्राम पंचायत की सहमति से उसी खसरे पर चारागाह का विकास किया जाये।
2. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन-50,000 मी³ प्रति वर्ष।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 5.49 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 2.61 लाख प्रति वर्ष।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.00 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
चिरचिटाखुखजू शासकीय प्राथमिक शाला में डेस्कटॉप (प्रिंटर के साथ) की व्यवस्था	75,000
ग्राम हथखोह के पास स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	25,000
योग	1,00,000

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4000 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
-----	---	---------------------	---------------------

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

1	बैरियर जोन में	नीम, खमेर, सिरस (काला और सफ़ेद), जंगल जलेबी, आंवला, चिरोल, करंज, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	200
2	गैर खनन क्षेत्र में	नीम, खमेर, सिरस (काला और सफ़ेद), जंगल जलेबी, आंवला, चिरोल, करंज, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	1370
3	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 1.5 मीटर)	खमेर, चिरोल, करंज, बीजा, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	400
4	ग्रामवासियों में वितरण हेतु ग्राम पंचायत चिरचिटाखुखजू	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हर्षा, महुआ, कबीट, नींबू, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800
5	ग्राम पंचायत के सहयोग से ग्राम पंचायत चिरचिटाखुखजू के चिन्हित क्षेत्र में	नीम, आम, कटहल, बेर, आँवला, हर्षा, महुआ, कबीट, नींबू, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800
6	ग्राम पंचायत चिरचिटाखुखजू के प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी एवं ग्राम पंचायत परिसर में	कदम, नीम, खमेर, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	430
गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बन्ड पर स्थानीय बीज बोए जाकर उनका संरक्षण किया जायेगा।			
कुल			4000

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

2. **Case No 10026/2023 Shri MRITUNJAY SINGH, PROPRIETOR, M/S JAI MAHAKAL CONSTRUCTION, Village Mohari Post Padarha, Tehsil Ajaygarh District Panna (M.P.) Prior Environment Clearance for Atarhai Flagstone , Boulder & M-Sand Quarry in an area of 1.00 ha. (Flagstone-1602, Boulder-1202, M-Sand-1001 cum per year) (Khasra No. 3838, 3839, 3843), Village-Atarhai, Tehsil-Shahnagar, District-Panna (MP)**

परियोजना प्रस्तावक मृत्युंजय सिंह एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री संचित कुमार, मेसर्स कांग्नीजेंस रिसर्च इंडिया प्रा.लि., नोएडा, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri MRITUNJAY SINGH, PROPRIETOR, M/S JAI MAHAKAL CONSTRUCTION, Village Mohari Post Padarha, Tehsil Ajaygarh District Panna (M.P.)
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	3838, 3839 & 3843 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि) 1.00 Ha.
स्थल	Village Atarhai, Tehsil Shahnagar, District Panna(M.P.)
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना के पत्र क्रमांक 402 दिनांक 27/03/23 के द्वारा स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Boulder & M-Sand Quarry
ब्लास्टिंग / रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा फ्लैग स्टोन- 1602 घनमीटर/वर्ष, बोल्टर-1202 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सैंड-1001 (कुल 3804 घनमीटर/वर्ष) घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार फ्लैग स्टोन- 1602 घनमीटर/वर्ष, बोल्टर-1202 घनमीटर/वर्ष एवं एम-सैंड-1001 (कुल 3804 घनमीटर/वर्ष) घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 445 दिनांक 10/04/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान संचालित/स्वीकृत है, इस प्रकार कुल रकबा 02.8. हे. होता है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 445 दिनांक 10/04/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 445 दिनांक 10/04/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे: रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/बांध/ स्टॉप डैम/ नहर/ ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत अतरहाई जिला पन्ना के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-3 दिनांक 02/10/22 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	उत्तर दिशा— कच्चा रोड 225 मीटर पश्चिम दिशा— जल रोकने की संरचना 355 मीटर
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला पन्ना ने पत्र क्रमांक 443 दिनांक 10/04/23 के द्वारा सूचित किया है कि उक्त उत्खनिपट्टा में नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट में उक्त खदान सम्मिलित कर जी जावेगी । समिति ने चर्चा उपरांत निर्णय लिया कि राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण मध्यप्रदेश की 739वीं बैठक दिनांक 29/07/22 (प्रकरण में 9261/2022 – जारी पत्र क्रमांक 1306 दिनांक 04/08/22) में लिए गए निर्णय के परिप्रेक्ष्य में इस प्रकरण को भी पर्यावरणीय संवेदनशीलता के दृष्टिगत परीक्षण कर पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सिया को अनुशंसित किया जाये ।

प्रस्तुतीकरण के पश्चात् समिति ने परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया कि वे निम्नानुसार जानकारी प्रस्तुत करें :-

- बैरियर जोन में 05 से 06 स्थानों में स्वाईल प्रोफाईल का फोटोग्राफ के साथ पौधारोपण स्कीम ।
- खदान क्षेत्र में एम-सेण्ड प्लांट प्रस्तावित है। अतः जल स्रोत की जानकारी के साथ पानी प्रदाय संबंधी ग्राम पंचायत से स्वीकृति/अनापत्ति प्रमाण-पत्र ।
- फेसिंग कॉस्ट को जोड़ते हुये पुनरिक्षित ई.एम.पी.।

3. **Case No 10040/2023 Shri Prem Sharma S/o Shri Munshiram Sharma, Owner, R/o 42, Madhuban Colony, District-Indore (MP)-799003, Prior Environment Clearance for Harsole Gitti Mining in an area of 3.38 ha. (7000 cum per year) (Khasra No. 888/4/4), Village-Harsola, Tehsil-Mhow, District-Indore (MP)**

परियोजना प्रस्तावक श्री प्रेम शर्मा एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री वरुण भारद्वाज, मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसल्टेंसी, नोएडा, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया ।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri PREM SHARMA, Owner, Prem Prakash Sharma S/o, Sri Munshiram Sharma R/o - 42, Madhuban Colony, Dist - Indore (MP)	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	888/4/4 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट लैंड) — चारागाह	3.38 Ha.
स्थल	ग्राम HARSOLA तसहील Mhow जिला Indore (म.प्र.)	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के पत्र क्रमांक 4180 दिनांक	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

	08/03/19 के द्वारा स्वीकृत ।
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Gitti Mining
ब्लास्टिंग / रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है ।
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	लागू नहीं
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-7,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-7,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2175 दिनांक 01/12/22 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2175 दिनांक 01/12/22 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला इंदौर के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 2175 दिनांक 01/12/22 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाइन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/बांध/ स्टॉप डैम/ नहर/ ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता / नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत हरसोला जिला इंदौर के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक 34 दिनांक 19/08/13 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	कुछ पेड़ लगे हैं, किन्तु कोई भी पेड़ काटने का प्रस्ताव नहीं है ।
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	खदान पहाड़ पर स्थित है । उत्तर दिशा- नालीनुमा 73 मीटर, उत्तर पूर्व में कच्चा रोड़ 60 मीटर दक्षिण पूर्व दिशा- शेड़ 383 एवं 447 मीटर, पक्का रोड़ - 484 मीटर
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-55 के सरल क्रमांक-26 पर दर्ज है ।

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन-7,000 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 5.99 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु. 1.75 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 1.0 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
हरसोला शासकीय प्राथमिक शाला में डेस्कटॉप की व्यवस्था	75,000
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी अधिकारी के सलाह के अनुसार सामग्री का वितरण	25,000
योग	1,00,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3380 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियर जोन में	नीम, खमेर, सिरस (काला और सफेद), जंगल जलेबी, आंवला, चिरोल, करंज, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	100
2	गैर खनन क्षेत्र में	नीम, खमेर, सिरस (काला और सफेद), जंगल जलेबी, आंवला, चिरोल, करंज, सिस्सू एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	280
3	परिवहन मार्ग में (न्यूनतम ऊँचाई 1.5 मीटर)	खमेर, चिरोल, करंज, बीजा, जंगल जलेबी, कदम एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800
4	ग्रामवासियो हरसोला में वितरण हेतु	नीम, आम, कटहल, बेर, आंवला, हर्षा, महुआ, कबीट, नींबू, बहेरा, बेल एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800
5	ग्राम पंचायत हरसोला के सहयोग से ग्राम पंचायत के चिह्नित क्षेत्र में	नीम, आम, कटहल, बेर, आंवला, हर्षा, महुआ, कबीट, नींबू, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	800
6	ग्राम पंचायत हरसोला के प्राथमिक शाला, आंगनवाड़ी एवं ग्राम पंचायत परिसर में	कदम, नीम, खमेर, सिस्सू. एवं अन्य स्थानीय प्रजातियां	600

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बन्ड पर स्थानीय बीज बोए जाकर उनका संरक्षण किया जायेगा।

कुल 3380

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

4. Case No 10024/2023 Shri Anand Sarode, Lessee, R/o Nagpur Road, Kamath, Tehsil-Multai, District-Betul (MP)-460661, Prior Environment Clearance for Dewari Stone Quarry in an area of 2.905 ha. (25000 cum per year) (Khasra No. 13/1, 13/2), Village-Devri, Tehsil-Multai, District-Betul (MP)

प्रस्तावित खदान का आज दिनांक 28/07/23 को परियोजना प्रस्तावक श्री आनंद सरोदे एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री राम राघव, मेसर्स ग्रीन सर्कल आईएनसी, बडौदा, गुजराज उपस्थित हुए और उनके द्वारा समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी का नाम व पता	Shri ANAND SARODE, LESSEE, R/o-Nagpur Road Kamath Tehsil-Multai, District- Betul, M.P	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/ निजी)	13/1, 13/2 (निजी-नॉन फॉरेस्ट लैंड)	2.905 hectares.
स्थल	Village Dewari, Tehsil Multai, District Betul, Madhya Pradesh.	
लीज स्वीकृति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के पत्र क्रमांक 6010-12 दिनांक 06/04/18 के द्वारा स्वीकृत।	
श्रेणी (बी-1/ बी-2)	बी-2 Stone Quarry	
ब्लास्टिंग / रॉक ब्रेकर	अनुमोदित खनन योजना अनुसार ब्लास्टिंग प्रस्तावित है।	
नया/क्षमता विस्तार	नया प्रोजेक्ट	
डिया ई.सी. का विवरण (यदि लागू हो)	डिया बैतूल के पत्र क्रमांक 20 दिनांक 07/05/18 द्वारा पत्थर 25,000 घनमीटर/वर्ष हेतु जारी।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर-25,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार पत्थर-25,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 239 दिनांक 08/02/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में कोई खदान स्वीकृत नहीं है और खदान के उत्तरी भाग पूर्व में खदान स्वीकृत थी,	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

	जिसकी अवधि समाप्त हो चुकी है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 239 दिनांक 08/02/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला बैतूल के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 239 दिनांक 08/02/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/ तालाब/बांध/ स्टॉप डैम/ नहर/ ग्रामीण कच्चा/पक्का रास्ता / नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत देवरी जिला बैतूल के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-(2) दिनांक 18/02/17 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य से पंचायत को कोई आपत्ति नहीं है ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
गूगल इमेज अनुसार वर्तमान स्थिति	खदान क्षेत्र खुदी हुई है । पूर्व में डिया से ईसी जारी हुई है ।
	दक्षिण पूर्व दिशा- हॉलेज रोड 23 मीटर एवं पक्का रोड 371 मीटर
	पश्चिम दिशा- पक्का रोड 124 मीटर
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक ने बताया कि इस खदान का विवरण जिले की अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पेज नं.-23 के सरल क्रमांक-40 पर दर्ज है ।

प्रकरण में डिया से ईसी जारी हुई थी। अतः प्रकरण को फार्म-1 के आधार पर अप्रैजाइल किया गया है। प्रकरण का परीक्षण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि :-

1. खदान क्षेत्र खुदा हुआ है परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में खुदे हुये क्षेत्र के संबंध में अवगत कराया कि पिट का क्षेत्रफल 1.59 हे. है। खदान की लीज अवधि दि. 06/04/2018 से 15/05/2028 तक स्वीकृत है। प्रश्नाधीन खदान के समीप की अन्य दूसरी खदान बंद है।
2. ग्राम पंचायत चन्दोराखुर्द जनपद पंचायत मुलताई जिला - बैतूल द्वारा जारी पत्र दिनांक 31/05/23 एवं 26/07/23 में उल्लेख है, कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम पंचायत में सामाजिक कार्य जैसे भवन एवं सड़क मरम्मत, बाउण्ड्री वाल की पुताई, टैंकर के द्वारा पानी का वितरण एवं पेड़-पौधों का वितरण किया गया है।
- 3- As per the DEIAA EC condition we have to plant the 130-140 trees (@ 45nos/hectare)
- 4- In compliance of this initially we have planted about 50-60 nos of plants but due to unfavorable condition only 10-20 nos trees were survived.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

- 5- Now we have planted about 50-60 more plants at the ML area & 70 saplings are distributed to the villagers photos of which area attached.
- 6- 20 trees are also planted at the government primary school of Deori.
- 7- We have planted about 30-40 trees at the crusher unit .

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-ए अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. डिया की शर्तों के अनुरूप वृक्षारोपण का कार्य वर्ष 2023-24 में पूर्ण करते हुए पर्यावरण स्वीकृति के पूर्व सिया कार्यालय को अवगत कराये।
2. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता स्टोन – 25,000 मी³ प्रति वर्ष।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.51 लाख एवं रिकरिंग राशि रु. 2.02 लाख प्रति वर्ष।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.70 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01/02 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम देओरी के नजदीक स्थित प्राथमिक स्वस्थ केंद्र में पदस्थ चिकित्सक के परामर्श से जरूरत के हिसाब से उपयोग हेतु सामग्री एवं उपकरण उपलब्ध करवाए जावेंगे	70,000/-

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3500 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	बैरियरजोन गैर खनन क्षेत्र में वृक्षारोपण	सिस्सू, काला सिरिस, सफेदसिरिस, खमेर, पीपल, जंगल जलेबी, नीम, सीताफल, चिरोल, आदि एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	800
2	परिवहन मार्ग में	नीम, सिस्सू, चिरोल, कदम्ब, करंज, पाकर, पीपल आदि एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ ट्री-गार्ड के साथ	110
3	ग्राम देवरी के नजदीक स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में	नीम, सिस्सू, चिरोल, कदम्ब, करंज, पाकर, पीपल आदि एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ।	50
4	ग्रामीणों में पौधों का वितरण	संतरा, आमला, नींबू, सीताफल, आम, अनार, मुनगा, कटहल आदि एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	2540
कुल			3500
गारलेण्ड ड्रेन तथा सेटलिंग टैंक के बन्ड पर स्थानीय बीज बोए जाकर उनका संरक्षण किया जायेगा।			

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

5. **Case No 10068/2023 Ms. Uma Sharma M P INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED, 101, FIRST FLOOR, ATULYA IT PARK, KHANDWA ROAD, INDORE Distt.- INDORE (M.P.) 452001. , Prior Environment Clearance for M/s MPIDC Ltd is proposing the construction of a commercial building “IT Park-III” at Khasra No. P144, P154, P155, P365 & 375 near Crystal IT Park, Vill. Pipliyarao, Ring Road, Indore, Madhya Pradesh. The built-up area of the proposed project is - 147058 m2. Cat. 8 (a) Building / Construction Project.**

This is case of Prior Environment Clearance for Construction of Commercial Building "IT Park-III" [Total Plot Area-29105.0 sqm, Total Built-up Area-1,47,058 sqm] at (Khasra No. P144, P154, P155, P365 & 375) Village-Pipliyarao, Tehsil-Indore, District-Indore, (MP).

The case was presented by Shri Shbham Dubey Env. Consultant from M/s. Envisolve and PP Ms. Uma Sharma, Executive Engineer, M/s M.P. Industrial Development Corporation, District-Indore. Wherein PP submitted that M/s MPIDC Ltd is proposing the construction of a commercial building “IT Park-III” at Khasra No. P144, P154, P155, P365 & 375 near Crystal IT Park, Vill. Pipliyarao, Ring Road, Indore, Madhya Pradesh. The built-up area of the proposed project is 147058 m2. As per EIA notification S.O.1533 issued on 14th Sep 2006 and its subsequent amendments the proposed project is falling under Project /Activity 8(a), Building and Construction Projects, Category B (built-up area $\geq$ 20000 m2 and $<$ 150000 m2) and requires Environmental Clearance (EC) from SEAC/SEIAA, Madhya Pradesh.

The Salient features of the project:-

- MPIDC (MP Industrial Development Corporation) is the Single Window Secretariat for Investment Promotion and Facilitation in the state since 2004.
- MPIDC Ltd is proposing the construction of a commercial building “**IT Park-III**” at Khasra No. P144, P154, P155, P365 & 375 near Crystal IT Park, Vill. Pipliyarao, Ring Road, Indore, Madhya Pradesh.
- The total built-up area of the project is 147058 m².
- The proposed project is falling under Project /Activity 8(a), Building and Construction Projects, Category B (built-up area $\geq$ 20000 m² and $<$ 150000 m²) and requires Environmental Clearance (EC) from SEAC/SEIAA, Madhya Pradesh.

Project Title	Construction of commercial building “ <i>IT PARK-III</i> ” By MPIDC
Total Plot Area	29105 m ²

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

Total Built up Area	Total Built up Area-147058 m ² FAR-104354 m ² Non FAR-42704 m ²
Location of Project	Khasra No. P144, P154, P155, P365 & 375 near Crystal IT Park, Vill. Pipliyarao, Ring Road, Indore, Madhya Pradesh.
Geological Location	Latitude-22°41'2.64"N Longitude- 75°52'7.35"E
Building Configuration	Basement 1 + Basement 2 + Ground floor + 1st floor + 2nd floor + 3rd Floor + 4th floor + 5th floor + 6th floor + 7th floor + 8th floor + 9th floor +10th floor + 11th floor + 12th floor + 13th floor + 14th floor + 15th floor +16th floor + 17th floor + 18th floor + 19th floor
Estimated Project Cost	Total Cost-INR 386.98 Cr (Approx.)
Height of the Building	75 mtrs

S.No.	Particulars	Proposed Quantity/Area
1.	Permissible Ground coverage @ 30% Permissible Ground coverage @ 29%	8731.5 sq.mt. 8440.45 sq.mt.
2.	Permissible FAR @ 3.0 Permissible FAR @ 2.9	87315 sq.mt. 84404.5 sq.mt.
3.	No. of Floors	Basement 1 + Basement 2 + Ground floor + 1st floor + 2nd floor + 3rd Floor + 4th floor + 5th floor + 6th floor + 7th floor + 8th floor + 9th floor +10th floor + 11th floor + 12th floor + 13th floor + 14th floor + 15th floor +16th floor + 17th floor + 18th floor + 19th floor
4.	Activities in the complex	Offices, Data Centre, Hotel, Restaurant/Food Court
5.	Total No. of Restaurants seats	400 Nos
6.	Proposed Green cover area	2910.5 sq. mt. (10%)
7.	Parking	Basement Parking 1= 254 Basement Parking 2 = 233 Ground floor parking = 323

S.No.	Particulars	Proposed Quantity/Area
8.	Power Requirement	9000 KVA
9.	DG set details	6 No's DG set of 1500 KVA each

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

10.	Water Requirement	Total Water : 436.14 KLD Fresh Water : 234.29 KLD Flushing : 167.31 KLD Gardening : 14.55 KLD HVAC : 20 KLD
11	• STP • Rainwater Harvesting Quantity • Garbage Disposal • Service Block (Substation, DG Set, etc.)	• 450 KLD • 2 No of RWH Pits • Yes, as per norms • Yes, as per norms

After detail discussion and deliberation, committee asked PP to submit the following information/clarification for further consideration of the project:

1. Revised green area calculation with their location on lay-out map.
2. PP's commitments that :
 - Green area shall be increased upto 15 % of total project area.
 - Highest Griha rating i.e. "5" shall be obtained by the Proponent.
 - Solar power contribution shall be 12 % of total power power consumption.
 - Street pole lightning shall based on solar power.
 - Provision for solar light up to 30% of the total requirement. All street light should be solar lighting.
 - Re-assessment of the EV charging stations.
3. Total vehicles load include existing and visitors numbers /floating population in terms of ECS.
4. Re-assess water requirement quantity/water balance chart etc..
5. Schematic diagram of STP with provision of treated sewage BOD as 3.0 mg/lit and incorporation of ultra filteratation unit.
6. Re-assessment of Rain Water Harvesting pits.
7. Revised plantation scheme and species as suggested by the committee during presentation.
8. Revised CER the activities shall includes distribution of school uniform in the Rajpura , Choral range Bai villages, distribution of mediad equipments in the nearby PHS's , Veternary hospitals, distribution of Aganwadies etc.

6. Case No 10058/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Khairimal Sand Mine in an area of 1.00 ha. (10,800 cum per year) (Khasra No. 258), Village-Khairi Mal, Tehsil-Ghughari, District-Mandla (MP)

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थाना का नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/ निजी)	258 (सरकारी – नॉन फॉरेस्ट भूमि)	1.00 ha
स्थल	Village Khairimal, Tehsil Ghughari, District Mandla, Madhya Pradesh	
श्रेणी (बी-1/ बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बुडनेर नदी में स्थित है, जिसका अल्प भाग पानी डूबा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.4 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 0.6 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-10,800 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-10,800 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 195 दिनांक 02/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान संचालित/स्वीकृत होने की जानकारी दी गई है किंतु इस खदान का रकबा कितना है की जानकारी नहीं दी गई है, जिसे संबंधित खनिज अधिकारी से प्राप्त जाना उचित होगा।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 195 दिनांक 02/02/21 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र नहीं है।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 195 दिनांक 02/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में जलीय निकाय/नदी/तालाब/ नहर स्थित है।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत खैरीमाल जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-26 दिनांक 20/08/18 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य का प्रस्ताव पारित किया गया।	
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-22 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-10,800 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10,800 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
----------------------------------	--

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत - 10,800 मी³ प्रति वर्ष ।
1. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.50 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.03.38 लाख प्रति वर्ष ।
2. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम खैरीमाल के शासकीय स्कूल में शाला विकास कार्य हेतु 20,000 रुपये की राशि शाला विकास समिति खैरीमाल में जमा किए जायेंगे ।	20,000/-

3. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	300
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	150
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	50
2	ग्राम- खैरीमाल के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	600
3	परिवहन मार्ग (500 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां, (ट्री गार्ड के साथ)	100

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा।	
✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा।	
✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे।	
• टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।	
योग	1200

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

7. Case No 10059/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Bhapsa No. 1 River Sand Mine in an area of 2.00 ha. (28,800 cum per year) (Khasra No. 412), Village- Bhapsa, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थाना का नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	412 (सरकारी – नॉन फॉरेस्ट भूमि)	2.00 ha.
स्थल	Village Bhapsa, Tehsil Mandla, District Mandla, Madhya Pradesh	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में मियन्डर पर स्थित है, खदान में से नदी का प्रवाह हो रहा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.8 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.2 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-28,800 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-28,800 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1099 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1099 दिनांक 23/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1099 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की दूरी पर आवासी बस्ती, प्राथमिक शाला एवं बंजर नदी है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत भापसा जिला मण्डला प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य सहमत है।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-19 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेन्शियल-28,800 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 28,800 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत - 28,800 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.23 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.04.20 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.40 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
प्राथमिक शाला भपसा में बच्चों को स्टेशनरी, बैग एवं यूनिफॉर्म का वितरण किया जायेगा।	40,000/-

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	400
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	200
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	120
2	ग्राम- भपसा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	1600
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां, (ट्री गार्ड के साथ)	80
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल/ पुलिस थाना/ आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			2400

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

8. **Case No 10060/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Barbaspur Sand Mine in an area of 4.00 ha. (67,200 cum per year) (Khasra No. 699), Village-Barbaspur, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)**

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थाना का नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	699(सरकारी – नॉन फॉरेस्ट भूमि)	4.00 ha.
स्थल	Village Barbaspur, Tehsil Bichhiya, District Mandla, Madhya Pradesh.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में स्थित है, खदान में से नदी की पतली जल धारा उत्तर पूर्व से उत्तर पश्चिम दिशा में वह रहा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 1.6 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 2.4 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-67,200 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 562 दिनांक 18/04/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 562 दिनांक 18/04/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 562 दिनांक 18/04/23 अनुसार 300 मीटर की दूरी मानव बसाहट है, शेष 500 मीटर की परिधि में नहीं है।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत बरबसपुर जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 19/08/19 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य का प्रस्ताव पारित किया गया।	
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

की स्थिति	सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-25 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोटेंशियल-67,200 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 67,200 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।
-----------	--

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत – 67,200 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 10.81 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.06.87 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम बरबसपुर के आँगनवाडी केंद्र में प्रभारी अधिकारी की सहमति से बच्चों के लिए आवश्यकतानुसार उपकरणों एवं सामग्री हेतु 60,000/- रुपये की राशि का सहयोग किया जावेगा ।	60,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 4800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	1500
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	300
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	240
2	ग्राम- बरबसपुर के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	2600
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ, (ट्री गार्ड के साथ)	160

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा।	
✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा।	
✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे।	
• टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।	
योग	4800

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

9. Case No 10061/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Koko Sand Mine in an area of 2.00 ha. (14,400 cum per year) (Khasra No. 417), Village-Koko, Tehsil-Bichhiya, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थाना का नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी / निजी)	417(सरकारी – नॉन फॉरेस्ट भूमि)	2.00 ha.
स्थल	Village Koko, Tehsil Bichhiya, District Mandla, Madhya Pradesh-	
श्रेणी (बी-1 / बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान हालोन नदी में स्थित है, खदान में से नदी की पतली जल धारा उत्तर पश्चिम से उत्तर पूर्व दिशा में वह रही है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.8 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.2 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-14,400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-14,400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 544 दिनांक 13/04/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 544 दिनांक 13/04/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र नहीं है एवं संभागीय आयुक्त समिति की समिति जबलपुर के कार्यवाही विवरण दिनांक 14/06/21 में उक्त खदान हेतु वन सीमा से 50 मीटर दूरी छोड़ने तथा वन भूमि से खनिज रेत परिवहन नहीं करने की शर्त पर अनुमति दी गई है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 544 दिनांक 13/04/23 अनुसार आवेदित भूमि हालोन नदी का तटीय क्षेत्र है, शेष 500 मीटर की परिधि में नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत कोको जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक -06 दिनांक 05/02/19 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-24 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेशियल-14,400 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 14,400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-14,400 मी³ प्रति वर्ष।
2. वन सीमा से 50 मीटर दूरी छोड़कर खनन कार्य किया जायेगा।
3. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 09.13 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.04.56 लाख प्रति वर्ष।
4. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.20 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम कोको में लोक कल्याण हेतु राशि प्राथमिक स्वास्थ्य समिति कोको में जमा की जावेगी ।	20,000

5. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2400 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	620
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	300
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	200
2	ग्राम- कोको के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	1100
3	परिवहन मार्ग (500 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	180
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			2400

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

10. Case No 10069/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road,

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Bhavarda River Sand Mine in an area of 1.00 ha. (15,600 cum per year) (Khasra No.- 325), Village-Bhavarda, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी / संस्थाना का नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	325 (सरकारी – नॉन फॉरेस्ट भूमि)	1.00 ha.
स्थल	Village Bhavarda, Tehsil mandla, District Mandla, Madhya Pradesh.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में स्थित है, जिसका अल्प भाग पानी डूबा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.4 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 0.6 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-15,600 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-15,600 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1100 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1100 दिनांक 23/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1100 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की दूरी पर मानव बसाहट एवं शैक्षणिक संस्थान एवं बंजर नदी है।	
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत भंवरदा जिला मण्डला प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य हेतु सहमत है।	
वृक्षों की वर्तमान	निरंक	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

स्थिति	
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-20 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-15,600 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 15,600 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत – 15,600 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 07.27 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.03.37 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम भवरदा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी की सहमति से राशि से स्वास्थ्य संबंधी उपकरण उपलब्ध करवाये जायेंगे ।	30,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत् सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	300
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	150
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	50
2	ग्राम- भवरदा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	650
3	परिवहन मार्ग में	नीम, पीपल, चिरोल ,आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय	50

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

	प्रजातियां (ट्री गार्ड के साथ)	
✓	5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा।	
✓	प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा।	
✓	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे।	
•	टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।	
योग		1200

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

11. Case No 10070/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP) Prior Environment Clearance for Gurarkheda Sand Mine in an area of 1.00 ha. (12000 cum per year) (Khasra No. 228), Village-Gurarkheda, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	228 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	1.00 ha.
स्थल	Village Gurarkheda, Tehsil Mandla, District Mandla, Madhya Pradesh.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान नर्मदा नदी में स्थित है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा अवगत कराया गया कि खदान में 0.4 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 0.6 हे. में खनन कार्य किया जाना प्रस्तावित है जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-12,000 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

	है और अनुमोदित खनन् योजना अनुसार रेत-12,000 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है ।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 462 दिनांक 28/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी के अंतर्गत आता है ।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 462 दिनांक 28/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र नहीं है और संभागीय आयुक्त की समिति जबलपुर के कार्यवाही विवरण दिनांक 14/06/21 अनुसार वन सीमा से 50 मीटर दूरी छोड़ने तथा वन भूमि से खनिज रेत परिवहन नहीं किये जाने की शर्त पर अनुमति दी गई है ।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 462 दिनांक 28/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में बंजर नदी है, शेष 500 मीटर की परिधि में नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत गुरारखेड़ा जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-06 दिनांक 28/01/18 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन् कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-23 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-12,000 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 12,000 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

1. अनुमोदित खनन् योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-12,000 मी³ प्रति वर्ष ।
2. गूगल इमेज के अनुसार नदी खदान क्षेत्र के दोनों ओर जंगल प्रतीत होता दिख रहा है ऐसी स्थिति में संबंधित क्षेत्र के मुख्य संरक्षक से अभिमत प्राप्त कर लिया जावे इस शर्त पर अनुशंसा की जाती है ।
3. खदान नर्मदा नदी में स्थित होने के कारण सिर्फ मेन्यूअल माईनिंग ही की जाये ।
4. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.73 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.03.73 लाख प्रति वर्ष ।
5. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

सी.इ.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
ग्राम गुरारखेड़ा में बच्चों को 01 कंप्यूटर एवं 01 प्रिंटर का वितरण किया जायेगा।	30,000

6. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1200 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

क्र.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	200
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	120
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	100
2	ग्राम- गुरारखेड़ा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातियाँ	500
3	परिवहन मार्ग (450 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ, (ट्री गार्ड के साथ)	280
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			1200

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

12. Case No 10071/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP), Prior Environment Clearance for Mugdara Sand

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

Mine in an area of 2.80 ha. (50,400 cum per year) (Khasra No. 968), Village- Mugdara, Tehsil-Nainpur, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	968 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि) 2.80 ha.
स्थल	Village Mugdara, Tehsil Nainpur, District Mandla, Madhya Pradesh
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में स्थित है, एक पतली धारा खदान के उत्तर दिशा से दक्षिण दिशा में जा रही है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 1.12 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.68 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-50,400 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-50,400 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 458 दिनांक 28/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-1 श्रेणी का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 458 दिनांक 28/03/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 458 दिनांक 28/03/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/तालाब/ बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण पक्का रास्ता/नाला इत्यादि स्थित नहीं है।

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत मुगदरा जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-02 दिनांक 29/08/19 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-26 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेशियल-50,400 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 50,400 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत - 50,400 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में कैपिटल राशि रु. 07.37 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.05.73 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.60 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
राशि रोगी कल्याण समिति मुगदरा के खाते में जमा की जावेगी ।	60,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3360 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	1100
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	400
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय	215

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

		प्रजातियां	
2	ग्राम- मुगदरा के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	1495
3	परिवहन मार्ग (440 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां, (ट्री गार्ड के साथ)	150
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			3360

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

13. Case No 10072/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP), Prior Environment Clearance for Ghughri Sand Quarry in an area of 3.240 ha. (38800 cum per year) (Khasra No. 807), Village- Ghughari, Tehsil- Ghughari, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी / निजी)	807(सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	3.240 ha.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

स्थल	Village Ghughri, Tehsil Ghughri, District Mandla, Madhya Pradesh.
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बुडनेर नदी में स्थित है, खदान का अंशिक भाग पानी डूबा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 1.29 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.94 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-38,800 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत- 38,800 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 02/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-1 का है।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 02/02/21 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 02/02/21 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे: रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान, बांध/स्टॉप डैम/ग्रामीण पक्का रास्ता/नाला इत्यादि स्थित नहीं है और जलीय निकाय/नदी/तालाब/ नहर स्थित है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत घुघरी जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव क्रमांक-03 दिनांक 02/10/17 अनुसार प्रस्तावित स्थल पर रेत निकासी हेतु प्रस्ताव पारित किया गया।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-18 के सरल क्रमांक-08 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेशियल-38,800 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 38,800 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है :-

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत — 38,800 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 11.90 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.06.93 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
राशि रोगी कल्याण समिति घुघरी के खाते में जमा की जावेगी।	50,000

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 3900 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	2300
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	500
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ	300
2	ग्राम- घुघरी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	600
3	परिवहन मार्ग (500 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियाँ (ट्री गार्ड के साथ)	200
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल/पुलिस थाना/आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा।			
योग			3900

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

14. Case No 10073/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP), Prior Environment Clearance for Silgi No.-1 River Sand Mine in an area of 2.40 ha. (40320 cum per year) (Khasra No. 01), Village-Silgi, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज	
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011	
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	01 (सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि)	2.400 ha.
स्थल	Village Silgi, Tehsil Mandla, District Mandla, Madhya Pradesh.	
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine	
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में स्थित है, खदान के उत्तर पूर्वी ओर जल का बहाव होता दिख रहा है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.96 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 1.44 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मैप में है।	
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-40,320 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-40,320 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है।	
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र दिनांक 971 दिनांक 06/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।	
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 971 दिनांक 06/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में अन्य कोई खदान संचालित/स्वीकृत नहीं है, अतः प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।	
तहसीलदार की	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र	

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

अनापत्ति	क्रमांक 971 दिनांक 06/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य /ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता क्षेत्र एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 971 दिनांक 06/06/23 अनुसार खदान से 500 मीटर की परिधि में मानव बसाहट है, शेष शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेलवे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे: रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/बांध/स्टॉप डैम/नहर/ग्रामीण पक्का रास्ता/नाला स्थित नहीं है।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत सिलगी जिला मण्डला प्रस्तावित स्थल पर रेत खनन कार्य से सहमत है।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-15 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-40,320 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 40,320 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टैण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-40,320 मी³ प्रति वर्ष।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 08.77 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.05.09 लाख प्रति वर्ष।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.50 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
राशि पालक शिक्षक संघ समिति सिलगी के खाते में जमा की जावेगी।	50,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 2880 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन के बीज एवं स्थानीय घास	775
		4-5 पंक्ति - कटंग बांस	300
		6 पंक्ति - करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	130
2	ग्राम- सिलगी के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	1525
3	परिवहन मार्ग (440 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल ,आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां, (ट्री गार्ड के साथ)	150
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल / पुलिस थाना / आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			2880

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

15. Case No 10074/2023 Shri Surendra Namdeo, Authorized Person, M/s The MP State Mining Corporation Limited, Paryawas Bhawan, Block-A, 2nd Floor, Jail Road, Arera Hills, District-Bhopal (MP), Prior Environment Clearance for Hirdenagar River Sand Mine in an area of 1.50 ha. (21600 cum per year) (Khasra No. 220), Village-Hirdenagar, Tehsil-Mandla, District-Mandla (MP)

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

परियोजना प्रस्तावक श्री रमेश भूमरकर एवं उनके पर्यावरणीय सलाहकार श्री के.सी. पाण्डा, मेसर्स ओसियो इन्वायरो मैनेजमेंट सॉल्यूशन (इं.) प्रा.लि., गाजियाबाद, उ.प्र. द्वारा दिनांक 28/07/23 को समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया गया एवं साथ में श्री राहुल शांडिल्य, खनिज अधिकारी, जिला – मंडला, समिति के समक्ष उपस्थित थे।

परियोजना विवरण	परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज
परियोजना प्रस्तावक, परियोजना / कम्पनी नाम व पता	Shri SURENDRA NAMDEO, AUTHORIZED PERSON, The Madhya Pradesh State Mining Corporation Limited, Paryavas Bhawan, Block No. 1 (A), Second Floor, Jail Road, Arera Hills, Bhopal (M.P.) 462011
खसरा नं./ क्षेत्रफल (सरकारी/निजी)	220(सरकारी-नॉन फॉरेस्ट भूमि) 1.500 ha.
स्थल	Village Hirdenagar, Tehsil Mandla, District Mandla, Madhya Pradesh.
श्रेणी (बी-1/बी-2)	बी-2 Sand Mine
उत्पादन विवरण	मध्यप्रदेश शासन, खनिज विभाग के पत्र क्रमांक एफ-19-2-2019-12-1-पार्ट-6 दिनांक 31/05/23 द्वारा अनुबंध निष्पादन दिनांक से 10 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृत।
रेत प्रकरणों में नदी का नाम	यह खदान बंजर नदी में स्थित है, उत्तर दिशा में 360 मीटर पर कच्चा रोड़ ब्रिज है एवं खदान के पूर्वी भाग से एक जल धारा निकल रही है। खदान के दक्षिण पूर्व की ओर से एक अन्य नदी मटयारी आकर खदान के उत्तरी ओर से मिल रही है। खदान का कुछ भाग पानी डूबा होने के कारण 0.6 हे. क्षेत्र गैर खनन क्षेत्र एवं 0.9 हे. में खनन कार्य किया जावेगा, जिसका उल्लेख सरफेस मेप में है।
उत्पादन क्षमता	परियोजना प्रस्तावक द्वारा रेत-21,600 घनमीटर/वर्ष हेतु आवेदन किया गया है और अनुमोदित खनन योजना अनुसार रेत-21,600 घनमीटर/वर्ष हेतु स्वीकृत है और इतनी ही मात्रा 36,000 रेत का पुनरभराव होगा।
500 मीटर की परिधि में अन्य खदानें	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1097 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान संचालित/स्वीकृत होने की जानकारी दी गई है, जिसका रकबा रकबा उल्लेख नहीं होने के कारण प्रकरण किस श्रेणी का है, ज्ञात करने करने के लिए रकबा संबंधी जानकारी खनिज अधिकारी, मण्डला से प्राप्त की जाना होगा।
वन मण्डलाधिकारी की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1097 दिनांक 23/06/23 अनुसार 10 किलोमीटर की परिधि में नेशनल पार्क/अभ्यारण्य/ईको सेंसेटिव जोन जैव विविधता एवं 250 मीटर में वन क्षेत्र स्थित नहीं है।
तहसीलदार की अनापत्ति	कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मण्डला के एकल प्रमाण-पत्र क्रमांक 1097 दिनांक 23/06/23 अनुसार 500 मीटर की परिधि में मानव

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

	बसाहट, शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सालय, पुरातत्व धरोहर, राष्ट्रीय महत्व के स्मारक, रेल्वे लाईन/सार्वजनिक भवन/शमशान घाट/राष्ट्रीय राजमार्ग/संवेदनशील क्षेत्रों जैसे : रेडियो स्टेशन, दूरदर्शन, हवाई अड्डा, प्रतिरक्षा संस्थान एवं जलीय निकाय/नदी/तालाब/ बांध/ स्टॉप डैम/ नहर/ ग्रामीण पक्का रास्ता/नाला नहीं है ।
ग्राम सभा/ ग्राम पंचायत की अनापत्ति	ग्राम पंचायत हिरदेनगर जिला मण्डला के ठहराव प्रस्ताव दिनांक 21/08/14 को प्रस्तावित स्थल पर खनन कार्य हेतु प्रस्ताव पारित किया गया ।
वृक्षों की वर्तमान स्थिति	निरंक
जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की स्थिति	परियोजना प्रस्तावक द्वारा परिवेश पोर्टल पर पूर्व में अनुमोदित नवीन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड है, तत्पश्चात जिला खनिज अधिकारी द्वारा कुछ संशोधन के साथ पुनरीक्षित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अनुमोदित कराई गई है पेज नं-19 के सरल क्रमांक-18 पर दर्ज है, जिसमें माईनेवल मिनरल पोर्टेंशियल-21,600 घनमीटर उल्लेखित है, जिसके विरुद्ध परियोजना प्रस्तावक द्वारा 21,600 घनमीटर/वर्ष पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया था ।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण, पर्यावरण प्रबंधन योजना एवं अन्य प्रस्तुत की गई जानकारी संतोषजनक एवं स्वीकार्य योग्य होने से समिति द्वारा विशिष्ट शर्तों एवं स्टेण्डर्ड शर्तों संलग्नक-बी अनुसार निम्नानुसार पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा करती है:-

1. अनुमोदित खनन योजना अनुसार अधिकतम उत्पादन क्षमता रेत-21,600 मी³ प्रति वर्ष ।
2. पर्यावरण प्रबंधन योजना मद में केपीटल राशि रु. 07.57 लाख एवं रिक्रिंग राशि रु.03.94 लाख प्रति वर्ष ।
3. सी.ई.आर मद में निम्नानुसार राशि रु. 0.30 लाख तथा सी.ई.आर. में प्रस्तावित सभी कार्य आगामी 01 वर्ष में पूर्ण किये जाये :-

सी.ई.आर. मद से प्रस्तावित गतिविधि	राशि (रु. में)
राशि पालक शिक्षक संघ समिति हिरदेनगर के खाते में जमा की जावेगी ।	30,000/-

4. निम्नानुसार वृक्षारोपण कार्यक्रम अनुसार (सतत सिंचाई, 5 वर्ष तक मृत पौधों का बदलाव तथा खनन अवधि तक रख-रखाव के साथ) कम से कम 1800 वृक्षों का वृक्षारोपण :-

कं.	प्रस्तावित वृक्षारोपण के लिए नियत स्थान	पौधों की प्रजातियाँ	मात्रा (संख्या में)
1	नदी के किनारों पर (नदी)	1-3 पंक्ति- खस, नागर मोथा, लेमन ग्रास, गटायन	400

**664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023**

	तट से 1 से 6 पंक्तियों में)	के बीज एवं स्थानीय घास	
		4-5 पंक्ति – कटंग बांस	200
		6 पंक्ति – करंज, जामुन, लसोड़ा खमेर, कहवा, अर्जुन, एवं चिरोल, आम अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां	100
2	ग्राम- हिरदेनगर के ग्रामवासियों में वितरण हेतु	आम, हाइब्रिड बेर, आँवला, मुनगाए सीताफल, नींबू, बेल, अचार एवं अन्य स्थानीय प्रजातिया	940
3	परिवहन मार्ग (430 मीटर)	नीम, पीपल, चिरोल, आँवला, अन्य फलदार वृक्ष एवं स्थानीय प्रजातियां (ट्री गार्ड के साथ)	160
✓ 5 साल तक पौधे का रख-रखाव स्वयं / ग्राम पंचायत/ स्थानीय वन समिति/स्थानीय पंजीकृत स्वयं सेवी संस्था /सेल्फ हेल्प ग्रुप (SHG) के द्वारा कराया जायेगा। ✓ प्रस्तावित परियोजना किसी भी पेड़ को काटा /उखाड़ा नहीं जायेगा। ✓ एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति में पौधे STAGGRED (आड़े-तिरछे) लगाये जायेंगे। • टीप : सम्पूर्ण वृक्षारोपण मौके पर, स्थल की उपलब्धता के अनुसार किया जायेगा एवं खदान क्षेत्र के आसपास पौधारोपण हेतु जगह उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नदी के जल ग्रहण क्षेत्र में / ग्रामीण स्कूल/ पुलिस थाना/ आंगनवाड़ी केन्द्र आदि में पौधारोपण किया जावेगा ।			
योग			1800

अनुशंसा :- उपरोक्त शर्तों के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्वीकृति जारी करने की अनुशंसा की जाती है।

16. Case No 9828/2023 Shri Shashank Chauhan, Owner, Niwasi Hanuman, Ganj, District-Katni (MP)-483501, Prior Environment Clearance for Dang Flag Stone (Farshi Pathhar) Quarry in an area of 2.00 ha. (2,200 Cum per annum) (Khasra No. 1274 Part) Village-Dang, Tehsil-Rithi, District-Katni (MP).

प्रकरण समिति की 642वीं बैठक दिनांक 04/05/23 को प्रस्तुत हुआ था, जिसमें पर्यावरणीय स्वीकृति की अनुशंसा भेजी गई थी ।

सिया की 787वीं बैठक दिनांक 18/05/23 को प्रकरण में पर्यावरणीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा व परामर्श उपरांत निर्णय लिया कि "परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित माईनिंग प्लान के अक्षांश-देशांश के आधार पर गूगल इमेज अनुसार खनन क्षेत्र के 500 मीटर की परिधि में 02 अन्य खदानें परिलक्षित हैं, जिनका कुल रकबा प्रस्तावित खदान को मिलाकर 5.0 हे. से अधिक होना प्रतीत

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

होता है जबकि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) के एकल प्रमाण पत्र क्रमांक 2763 दिनांक 05/10/22 अनुसार 500 मीटर की परिधि में 01 अन्य खदान रकबा 1.80 हे. की स्वीकृत होना बताया गया है। अतः पुनः परीक्षण हेतु प्रकरण सेक को अग्रेषित किया जाये और सेक द्वारा प्राथमिकता पर समयावधि में प्रकरण निराकृत कर सिया को सूचित करे”।

उपरोक्त के संदर्भ में प्रकरण समिति की 654वीं बैठक दिनांक 16/06/23 में प्रस्तुतीकरण हुआ, जिसमें सिया की उपरोक्त पृच्छा के संदर्भ में प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कार्यरत खदानों की वास्तविक जानकारी खनिज कार्यालय, कलेक्टर जिला कटनी से प्राप्त किये जाने का निर्णय लिया।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 12/07/23 के द्वारा उपरोक्त वांछित जानकारी अपलोड कर दी गई है, जिसे समिति के समक्ष दिनांक 28/07/23 को रखा गया, जिसमें परियोजना प्रस्तावक श्री शशांक चौहान प्रस्तुतीकरण के दौरान बताया गया कि उनके इस प्रकरण में पर्यावरणीय सलाहकार मेसर्स अमलतास इंवायरो इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंट, एलएलपी, गुरुग्राम (हरियाणा) के स्थान पर मेसर्स जेनिथ इंवायरोमेंट कंसलटेंसी, नोएडा, उ.प्र. की सेवाये ली जा रही है जिसके संबंध में संबंधित दस्तावेज सिया/सेक को मेल भी किया गया है और प्रस्तुतीकरण में भी दिया है।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में कार्यरत खदानों की वास्तविक जानकारी खनिज कार्यालय, कलेक्टर जिला कटनी से प्राप्त पत्र क्र. 1489 दिनांक 05/07/2023 प्रस्तुत किया जिसमें उल्लेख है, कि प्रस्तावित खदान के 500 मीटर की परिधि में वर्तमान में 01 खदान ही अनुबंधित/संचालित है शेष गड्ढे पूर्व के नीलाम खदानों के हैं जिनकी अवधि समाप्त हो चुकी है। अतः प्रश्नाधीन प्रकरण बी-2 श्रेणी के अंतर्गत आता है।

अतः समिति ने चर्चा उपरांत पूर्व में 654वीं बैठक दिनांक 16/06/23 में की गई पर्यावरण स्वीकृति की अनुशंसा को यथावत रखने का निर्णय लिया है।

अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा:-

(अ) In case of the sand mine cases, the committee is of the opinion that:

- 1. The monitoring of the compliance of the conditions incorporated in the Environmental Clearance issued prior to the State Mining Corporation shall be carried out through the District mining office at District level.**
- 2. The State Mining Corporation shall constitute an Environmental Cell including the persons qualified in the field to ensure the compliance of EC conditions.**

(ब) समिति की जानकारी में यह तथ्य लाये गये हैं कि विशेष रूप से रेत खदानों के कई प्रकरणों में परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऑन लाईन परिवेश पोर्टल पर खदानों में 60 प्रतिशत उपलब्धता, पृष्ठ एवं सरल क्रमांक जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट की जानकारी प्रस्तुत की जाती है वह अद्यतन जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट से मिलान नहीं करती है। यह भी तथ्य सामने आया है कि कई प्रकरणों में पोर्टल पर पुरानी जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड की गई है जिसमें रेत खदानों में 60 प्रतिशत उपलब्धता (Sand Mineral Potential) एवं पुर्नभरण मात्रा में अंतर देखने में आता है। समिति द्वारा पूर्व में भी सिया से सभी जिलों की सर्वेक्षण रिपोर्ट बेवसाईट पर अपलोड करने का आग्रह किया गया था तदनुसार पुनः अनुरोध है, कि यदि एक ही प्लेटफार्म (सिया के बेवसाईट) पर सभी जिलों की अनुमोदित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट अपलोड होती है तो ना केवल परियोजना प्रस्तावक को बल्कि समिति को भी सिया से प्रमाणिक जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रकरणों के परीक्षण करने में भी सुगमता/एकरूपता होगी एवं भविष्य में किसी प्रकार की विसंगती की स्थिति निर्मित नहीं होगी।

(अ) जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज – संशोधित जिला– अनूपपुर)।

जिला खनिज निरीक्षक सुश्री ईशा वर्मा, अनूपपुर द्वारा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

- खनिज निरीक्षक द्वारा बताया गया कि म.प्र.शासन खनिज साधन विभाग के मंशा अनुरूप अनूपपुर जिले की रेत खदानों के समूह का गठन मौका निरीक्षण किया डी.एस.आर. में उल्लेखित 22 रेत खदानों में से 04 रेत खदानों को पृथक किया गया है। साथ ही जिले में स्थित 03 रेत खदानों के अक्षांश-देशांश तथा 01 खदान के रकबे में परिवर्तन होने से मात्रा में परिवर्तन हुआ है।
- रकबा संशोधित होने के कारण रेत की मात्रा में परिवर्तन हुआ है।
- क्लस्टर के जानकारी के संबंध में 02 खदानें ग्राम बलबहरा, उमरिया तह0.— जैतहरी ख. न. 766, 001 रकबा 7 हे0. ग्राम — बलबहरा तह0.— जैतहरी ख.न. — 767 रकबा 5 हे0. क्षेत्र 500 मी. की परिधि में आने के कारण उक्त खदानें क्लस्टर में आ रही है।

समिति ने परीक्षण उपरांत पाया कि:—

- संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को जिले की गठित समिति द्वारा दिनांक 27/06/2023 के अद्यतन जानकारियों का समावेश करते हुये अनुमोदित किया गया है।
- जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के चेप्टर 03 में रेत खदानों की सूची, लोकेशन, क्षेत्र एवं अवधि को शामिल करते हुये अद्यतन किया गया है। साथ ही लेख किया है कि यदि प्रस्तुत जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के पोर्टल पर 21 दिवस के लिये अपलोड किया गया गया है एवं इस

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक
दिनांक 28 जुलाई 2023

अवधि में कोई आपत्ति/सुझाव प्राप्त होता है तो इन सुझावों का तदनुसार निराकरण किया जाकर पुनः जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को संशोधित कर अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की जावेगी।

अतः समिति द्वारा सुझाई गई उपरोक्त अनुशांसाओं के साथ संशोधित जिला— अनूपपुर (रेत खनिज) की जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज) अनुमोदन हेतु विचारार्थ एवं आगामी कार्यवाही हेतु राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकारण की ओर प्रेषित किया जाये।

(स) जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट (रेत खनिज – संशोधित जिला— छिंदवाड़ा)।

जिला खनिज निरीक्षक श्री विवकानंद यादव, छिंदवाड़ा द्वारा संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की।

1. जिले की 42 रेत खदानों के समाविष्ट करते हुये खनिज क्षेत्र की अद्यतन स्थिति/मात्रा में परिलक्षित अंतर के तारतम्य में संशोधित जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार की गई है।
2. सम्मिलित 42 खदानों के अंक्षांश-देशांतर में आंशिक सुधार कर सम्मिलित किया गया है।
3. सम्मिलित 42 खदानों के परीक्षण के पश्चात् प्रकरण में आई टंकण त्रुटि एवं परिवर्तित स्थानीय परिस्थितियों जैसे सिविल संरचना के प्रतिबंधित दूरी अंतर्गत आने के कारण रकबा संशोधन तथा अनुबंधित नक्शे में स्वीकृत क्षेत्र के वास्तविक रकबे में किये गये अपेक्षित सुधार कर अद्यतन सुधारकर अद्यतन किये गये।

समिति ने जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के परीक्षण उपरांत पाया कि जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के कॉलम –13 जिसमें रेत की मात्रा (पोस्ट मानसून) दर्शायी गयी है में कई जगह उपलब्ध मात्रा से अधिक Replenishment Quantity मात्रा का कॉलम 16 में दर्शाया गया है। अतः कॉलम 12 एवं 16 में आवश्यक सुधार कर पुनः जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।



(चंद्र मोहन ठाकुर)
सदस्य सचिव

(डॉ. पी.सी. दुबे)
अध्यक्ष

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

Following standard conditions shall be applicable for the mining projects of minor mineral in addition to the specific conditions and cases appraised for grant of TOR:

Annexure- 'A'

Standard conditions applicable to Stone/Murram and Soil quarries:

1. Mining should be carried out as per the submitted land use plan and approved mine plan. The regulations of danger zone (500 meters) prescribed by Directorate General of Mines safety shall also be complied compulsorily and necessary measures should be taken to minimize the impact on environment.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and fenced from all around the site. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded along with annual record of water consumed in sprinkling during Summer (February to May/June) and winter session (October to January) separately.
4. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
5. Mineral evacuation road shall be made pucca (WBM/black top) by PP.
6. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
7. Crusher with inbuilt APCD & water sprinkling system shall be installed minimum 100 meters away from the road and 500 meters away from the habitations only after the permissions of MP Pollution Control Board with atleast 04 meters high wind breaking wall of suitable material to avoid fugitive emissions.
8. Working height of the loading machines shall be compatible with bench configuration.
9. Slurry Mixed Explosive (SME) shall be used instead of solid cartridge.
10. The OB shall be reutilized for maintenance of road. PP shall bound to compliance the final closure plan as approved by the IBM.
11. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
12. Six monthly occupational health surveys of workers for Cardio-vascular & Pulmonary health, vital parameters as prescribed by concerned regulatory authority shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
13. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
14. To avoid vibration, no overcharging shall be carried out during blasting and muffle blasting shall be adopted. Blasting shall be carried out through certified blaster only and no explosive will be stored at mine site without permission from the competent authority.
15. Mine water should not be discharged from the lease and be used for sprinkling & plantations. For surface runoff and storm water garland drains and settling tanks (SS pattern) of suitable sizes shall be provided.
16. All garland drains shall be connected to settling tanks through settling pits and settled water shall be used for dust suppression, green belt development and beneficiation plant. Regular de-silting of drains and pits should be carried out.
17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area. PP shall take Socio-economic activities in the region through the 'Gram Panchayat'.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
23. All the mines where production is > 50,000 cum/year, PP shall develop its own website to display various mining related activities proposed in EMP & CER along with budgetary allocations. All the six monthly progress report shall also be uploads on this website along with MoEF&CC & SEIAA, MP with relevant photographs of various activities such as garland drains, settling tanks, plantation, water sprinkling arrangements, transportation & haul road etc. PP or Mine Manager shall be made responsible for its maintenance & regular updation.
24. All the soil queries, the maximum permitted depth shall not exceed 02 meters below general ground level & other provisions laid down in MoEF&CC OM No. L-11011/47/2011-IA.II(M) dated 24/06/2013.
25. The mining lease holders shall after ceasing mining operation, undertake re-grassing the mining area and any other area which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition which is fit for growth of fodder, flora , fauna etc. Moreover, a separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
26. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEF&CCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
27. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
28. Authorization (if required) under Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 should be obtained by the PP if required.
29. A display board (in hindi) with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - a. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - b. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - c. Length, breadth, sanctioned depth of mine and mining time.
 - d. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - e. Method of mining (Manual/Semi Mechanised) and Blasting or Non-blasting.
 - f. Plantation and CER activities.
30. Dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
31. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out as per submitted plantation scheme and along the fencing seed sowing of Neem, Babool, Safed Castor etc shall also be carried out.
32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. Before onset of monsoon season as per submitted plantation scheme fruit bearing species preferably of fodder / native shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.

35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'B'

Standard conditions applicable for the Sand Mine Quarries*

1. District Authority should annually record the deposition of sand in the lease area (at an interval of 100 meters for leases 10 ha or > 10.00 ha and at an interval of 50 meters for leases < 10 ha.) before monsoon & in the last week of September and maintain the records in RL (Reduce Level) Measurement Book. Accordingly authority shall allow lease holder to excavate only the replenished quantity of sand in the subsequent year.
2. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars. Necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
3. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
4. Only registered vehicles/tractor trolleys with GPS which are having the necessary registration and permission for the aforesaid purpose under the Motor Vehicle Act and also insurance coverage for the same shall alone be used for said purpose.
5. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
6. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
7. Sand and gravel shall not be extracted up to a distance of 1 kilometer (1Km) from major bridges and highways on both sides, or five times (5x) of the span (x) of a bridge/public civil structure (including water intake points) on up-stream side and ten times (10x) the span of such bridge on down-stream side, subjected to a minimum of 250 meters on the upstream side and 500 meters on the downstream side.
8. Mining depth should be restricted to 3 meters or water level, whichever is less and distance from the bank should be 1/4th or river width and should not be less than 7.5 meters. No in-stream mining is allowed. Established water conveyance channels should not be relocated, straightened, or modified.
9. Demarcation of mining area with pillars and geo-referencing should be done prior to the start of mining.
10. PP shall carry out independent environmental audit atleast once in a year by reputed third party entity and report of such audit be placed on public domain such audits be placed on public domain through website developed for public interface along with photographs of work done w.r.t. EMP as well as CER.
11. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
12. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 and Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining, 2020 issued by the MoEF&CC ensuring that the annual replenishment of sand in the mining lease area is sufficient to sustain the mining operations at levels prescribed in the mining plan.
13. If the stream is dry, the excavation must not proceed beyond the lowest undisturbed elevation of the stream bottom, which is a function of local hydraulics, hydrology, and geomorphology.
14. After mining is complete, the edge of the pit should be graded to a 2.5:1 slope in the direction of the flow.
15. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
16. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
17. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights. All these facilities such as rest shelters, site office etc. Shall be removed from site after the expiry of the lease period.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

18. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020 and these details should be provided in Annual Environmental Statement.
19. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
20. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
21. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
22. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
23. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
24. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
25. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
26. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M dated 16/01/2020.
27. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
28. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
29. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - g. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - h. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - i. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - j. Minable Potential of sand mine.
 - k. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - l. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
30. Following conditions must be implemented by PP in case of sand mining as per NGT (CZ) order dated 19/10/2020 in OA NO. 66/2020 and SEIAA's instruction vide letter No. 5084 dated 09/12/2020.
 - i. The Licensee must use minimum number of poclains and it should not be more than two in the project site.
 - ii. The District Administration should assess the site for Environmental impact at the end of first year to permit the continuation of the operation.
 - iii. The ultimate working depth shall be 01 m from the present natural river bed level and the thickness of the sand available shall be more than 03 m the proposed quarry site.
 - iv. The sand quarrying shall not be carried out blow the ground water table under any circumstances. In case, the ground water table occurs within the permitted depth at 01 meter, quarrying operation shall be stopped immediately.
 - v. The sand mining should not disturb in any way the turbidity, velocity and flow pattern of the river water.
 - vi. After closure of the mining, the licensee shall immediately remove all the sheds put up in the quarry and all the equipments used for operation of sand quarry. The roads/pathways shall be leveled to let the river resume its normal course without any artificial obstruction to the extent possible.
 - vii. The mined out pits to be backfilled where warranted and area should be suitable landscaped to prevent environmental degradation.
 - viii. PP shall adhere to the norms regarding extent and depth of quarry as per approved mining plan. The boundary of the quarry shall be properly demarcated by PP.
31. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the river banks for bank stabilization and to check soil erosion while on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.

32. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
33. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
34. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh "ANKUR YOJNA" by registering individual villagers on "Vayudoot app". Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Aganwadi premises.
35. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
36. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'C'

Standard conditions applicable for the Sand deposits on Agricultural Land/ Khodu Bharu Type Sand Mine Quarries*

1. Mining should be done only to the extent of reclaiming the agricultural land.
2. Only deposited sand is to be removed and no mining/digging below the ground level is allowed.
3. The mining shall be carried out strictly as per the approved mining plan.
4. The lease boundary should be clearly demarcated at site with the given co-ordinates by pillars and necessary safety signage & caution boards shall be displayed at mine site.
5. Arrangements for overhead sprinklers with solar pumps / water tankers should be provided for dust suppression at the exit of the lease area and fixed types sprinklers on the evacuation road. PP should maintain a log book wherein daily details of water sprinkling and vehicle movement are recorded.
6. The mining activity shall be done as per approved mine plan and as per the land use plan submitted by PP.
7. Transportation of material shall only be done in covered & PUC certified vehicles with required moisture to avoid fugitive emissions. Transportation of minerals shall not be carried out through forest area without permissions from the competent authority.
8. Mineral evacuation road shall be made Pucca (WBM/black top) by PP.
9. For carrying out mining in proximity to any bridge and/or embankment, appropriate safety zone on upstream as well as on downstream from the periphery of the mining site shall be ensured taking into account the structural parameters, location aspects, flow rate, etc., and no mining shall be carried out in the safety zone.
10. No Mining shall be carried out during Monsoon season.
11. The mining shall be carried out strictly as per the approved mine plan and in accordance with the Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016 issued by the MoEF&CC.
12. Necessary consents shall be obtained from MPPCB and the air/water pollution control measures have to be installed as per the recommendation of MPPCB.
13. Thick plantation shall be carryout on the banks of the river adjacent to the lease, mineral evacuation road and common area in the village. PP would maintain the plants for five years including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations.
14. Appropriate activities shall be taken up for social up-liftment of the area. Funds reserved towards the same shall be utilized through Gram Panchayat/competent authority.
15. Six monthly occupational health surveys of workers shall be carryout and all the workers shall be provided with necessary PPE's. Mandatory facilities such as Rest Shelters, First Aid, Proper Fire Fighting Equipments and Toilets

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

- (separate for male & female) shall also be provided for all the mine workers and other staff. Mine's site office, rest shelters etc shall be illuminated and ventilated through solar lights.
16. A separate bank account should be maintained for all the expenses made in the EMP and CER activities by PP for financial accountability and these details should be provided in Annual Environmental Statement. In case the allocated EMP budget for mitigative measures to control the pollution is not utilized fully, the reason of under utilization of budgetary provisions for EMP should be addressed in annual return.
 17. PP shall be responsible for discrepancy (if any) in the submissions made by the PP to SEAC & SEIAA.
 18. The amount towards reclamation of the pit and land in MLA shall be carried out through the mining department. The appropriate amount as estimated for the activity by mining department has to be deposited with the Collector to take up the activity after the mine is exhausted.
 19. NOC of Gram Panchayat should be obtained for the water requirement and forest department before uprooting any trees in the lease area.
 20. The leases which are falling <250 meters of the forest area and PP has obtained approval for the Divisional Level Commissioner committee, all the conditions stipulated by Divisional Level Commissioner committee shall be fulfilled by the PP.
 21. The validity of the EC shall be as per the provisions of EIA Notification subject to the following: Expansion or modernization in the project, entailing capacity addition with change in process and or technology and any change in product - mix in proposed mining unit shall require a fresh Environment Clearance.
 22. If it being a case of Temporary Permit (TP), the validity of EC should be only up to the validity of TP and PP has to ensure the execution of closure plan.
 23. A separate budget in EMP & CER shall maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
 24. The project proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area".
 25. Any change in the correspondence address shall be duly intimated to all the regulatory authority within 30 days of such change.
 26. A display board with following details of the project is mandatory at the entry to the mine.
 - m. Lease owner's Name, Contact details etc.
 - n. Mining Lease area of the project (in ha.) with latitude and longitude.
 - o. Length, breadth and sanctioned depth of mine.
 - p. Minable Potential of sand mine.
 - q. Sanctioned Production capacity of the project as per EC and Consent of MPPCB.
 - r. Method of mining (Manual/Semi Mechanised)
 27. Species such as Khus Slips and Nagar Motha shall be planted on the nearby river banks for bank stabilization and to check soil erosion while dense plantation/ wood lot shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 28. Dense plantation shall be carryout in the 7.5 meters periphery/barrier zone of the lease through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency and on mineral evacuation road & common area in the village through any suitable Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 29. Entire plantation proposed in barrier zone of lease area shall be carried out in the first year itself as per submitted plantation scheme.
 30. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक दिनांक 28 जुलाई 2023

31. Top soil shall be simultaneously used for the plantation within the lease area and no OB/dump shall be stacked outside the lease area. PP should take-up entire plantation activity within initial three years of mining operations and shall maintain them for entire mine life including casualty replacement. PP should also maintain a log book containing annual details of tree plantation and causality replacement and to take adequate precautions so as not to cause any damage to the flora and fauna during mining operations. Plantation in adjoining forest land shall be carried out through concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
32. Local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land through forest department or on other community land available for grassland and fodder development through Gram Panchayat in concerned village and handed over to Gram Panchayat after lease period.
33. During initial three years before onset of monsoon season, minimum 100 saplings or maximum as per submitted plantation scheme and subsequently approved by the SEAC of fodder / native fruit bearing species shall be distributed in nearby villagers to promote plantation and shall be procured from social forestry nursery/ Government Horticulture nursery. This activity shall be carried out under Govt. of Madhya Pradesh “ANKUR YOJNA” by registering individual villagers on “Vayudoot app”. Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, a minimum of 50 saplings be planted considering 80% survival with proper protection measures in School or Anganwadi premises.
34. Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.
35. Activities proposed under CER should be based upon outcome of public hearing in category for B-1 projects. However in case of B-2 projects, CER shall be proposed based upon local need assessment and Gram Panchayat Annual Action Plan.

Annexure- 'D'

General conditions applicable for the granting of TOR

1. The date and duration of carrying out the baseline data collection and monitoring shall be informed to the concerned Regional Officer of the M.P Pollution Control Board.
2. During monitoring, photographs shall be taken as a proof of the activity with latitude & longitude, date, time & place and same shall be attached with the EIA report. A drone video showing various sensitivities of the lease and nearby area shall also be shown during EIA presentation.
3. An inventory of various features such as sensitive area, fragile areas, mining / industrial areas, habitation, water-bodies, major roads, etc. shall be prepared and furnished with EIA.
4. An inventory of flora & fauna based on actual ground survey shall be presented.
5. Risk factors with their management plan should be discussed in the EIA report.
6. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
7. The EIA document shall be printed on both sides, as far as possible.
8. All documents should be properly indexed, page numbered.
9. Period/date of data collection should be clearly indicated.
10. The letter /application for EC should quote the SEIAA case No./year and also attach a copy of the letter prescribing the TOR.
11. The copy of the letter received from the SEAC prescribing TOR for the project should be attached as an annexure to the final EIA/EMP report.
12. The final EIA/EMP report submitted to the SEIAA must incorporate all issues mentioned in TOR and that raised in Public Hearing with the generic structure as detailed out in the EIA report.
13. Grant of TOR does not mean grant of EC.
14. The status of accreditation of the EIA consultant with NABET/QCI shall be specifically mentioned. The consultant shall certify that his accreditation is for the sector for which this EIA is prepared. If consultant has engaged other laboratory for carrying out the task of monitoring and analysis of pollutants, a representative from laboratory shall also be present to answer the site specific queries.
15. On the front page of EIA/EMP reports, the name of the consultant/consultancy firm along with their complete details including their accreditation, if any shall be indicated. The consultant while submitting the EIA/EMP report shall give an undertaking to the effect that the prescribed TORs (TOR proposed by the project proponent and additional TOR given by the MOEF & CC) have been complied with and the data submitted is factually correct.
16. While submitting the EIA/EMP reports, the name of the experts associated with involved in the preparation of these reports and the laboratories through which the samples have been got analyzed should be stated in the report. It shall

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

- be indicated whether these laboratories are approved under the Environment (Protection) Act, 1986 and also have NABL accreditation.
17. All the necessary NOC's duly verified by the competent authority should be annexed.
 18. PP has to submit the copy of earlier Consent condition /EC compliance report, whatever applicable along with EIA report.
 19. The EIA report should clearly mention activity wise EMP and CER cost details and should depict clear breakup of the capital and recurring costs along with the timeline for incurring the capital cost. The basis of allocation of EMP and CER cost should be detailed in the EIA report to enable the comparison of compliance with the commitment by the monitoring agencies.
 20. A time bound action plan should be provided in the EIA report for fulfillment of the EMP commitments mentioned in the EIA report.
 21. The name and number of posts to be engaged by the PP for implementation and monitoring of environmental parameters should be specified in the EIA report.
 22. EIA report should be strictly as per the TOR, comply with the generic structure as detailed out in the EIA notification, 2006, baseline data is accurate and concerns raised during the public hearing are adequately addressed.
 23. The EIA report should be prepared by the accredited consultant having no conflict of interest with any committee processing the case.
 24. Public Hearing has to be carried out as per the provisions of the EIA Notification, 2006. The issues raised in public hearing shall be properly addressed in the EMP and suitable budgetary allocations shall be made in the EMP and CER based on their nature.
 25. Actual measurement of top soil shall be carried out in the lease area at minimum 05 locations and additionally N, P, K and Heavy Metals shall be analyzed in all soil samples. Additionally in one soil sample, pesticides shall also be analyzed.
 26. A separate budget in EMP & CER shall be maintained for development and maintenance of grazing land as per the latest O.M, of MoEF&CC issued vide letter F.No. 22-34/2018-IA. III, dated 16/01/2020.
 27. PP shall submit biological diversity report stating that there is no adverse impact in- situ and on surrounding area by this project on local flora and fauna's habitat, breeding ground, corridor/ route etc. This report shall be filed annually with six-monthly compliance report.
 28. The project proponent shall provide the mitigation measures as per MoEFCCs Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-IA. II (M) dated 29th October 2014, titled "Impact of mining activities on Habitations-issues related to the mining Projects wherein Habitations and villages are the part of mine lease areas or Habitations and villages are surrounded by the mine lease area" with EIA report.
 29. LPG gas may be provided for camping labour under "Ujjwala Yojna .
 30. In the project where ground water is proposed as water source, the project proponent shall apply to the competent authority such as Central Ground Water Authority (CGWA) as the case may be for obtaining, No Objection Certificate (NOC).
 31. Consideration of mining proposals involving violation of the EIA Notification, 2006, the project proponent shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court of India dated 02/08/2017 in WP © No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause V/s Union of India & others before grant of TOR/EC. The under taking interalia includes commitment of the PP not to repeat any such violation in future as per MoEF&CC OM No. F.NO. 3-50/2017-IA.III (Pt.) dated 30/05/2018.
 32. The mining project proponents involving violations of the EIA Notification, 2006 under the provisions of S.O. 804 (E) dated 14/03/2017 and subsequent amendments for TOR/EC shall give an undertaking by way of affidavit to comply with all the statutory requirements and judgment of Hon'ble Supreme Court dated the 2nd August 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in the matter of Common Cause versus Union of India and Ors. Before grant of TOR/EC the undertaking inter-alia include commitment of the PP not to repeat any such violation of future. In case of violation of above undertaking, the TOR/Environmental Clearance shall be liable to be terminated forthwith.
 33. If the allotted land is private land and agricultural practices are being carried out in the nearby area, the effect of mining on agricultural practices shall be studied and discussed in the EIA report with the economic value of agricultural produce for last three years and details of total land holding of the PP in that district.
 34. In case of mining on land where the land belongs to Charagah (Grazing) as per P-II form, proposal for development of equal area of land as grazing land shall be submitted with EIA report with its budgetary provisions. This Grazing land can be developed in consultation with DFO or Gram Panchayat of concerned area.
 35. Under CER scheme commitments with physical targets shall be included in EIA report for:

✓ Proposal for CER activities based upon commitment made during public hearing and COVID-19 pandemic.

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

- ✓ Activities such as solar panels in school, awareness camps for Oral Hygiene, Diabetes and Blood Pressure, works related to plantation (distribution of fruit & fodder bearing trees) vaccination, cattle's health checkup etc. in concerned village shall be proposed.
 - ✓ No fuel wood shall be used as a source of energy by mine workers. Thus proposal for providing solar cookers / LPG gas cylinders under "Ujjwala Yojna" to them who are residing in the nearby villages, shall be considered.
 - ✓ PP's commitment that activities proposed in the CER scheme will be completed within initial 03 years of the project and in the remaining years shall be maintained shall be submitted with EIA report.
36. Under Plantation Scheme commitments with budgetary allocations shall be included in EIA report for :
- ✓ Comprehensive green belt plan with commitment that entire plantation shall be carried out in the initial three years and will be maintained thereafter with causality replacement. Proposal for distribution of fruit bearing species for nearby villagers shall also be incorporated in the plantation scheme and for which a primary survey for need assessment in concerned village shall be carried out.
 - ✓ Commitment that plantation shall be carried out preferably through Govt. agency (such as Van Vikas Nigam / Van Samiti under monitoring and guidance of Forest Range officer with work permission from DFO concerned / Gram Panchayat / Agricultural department or any other suitable agency having adequate expertise as per the budgetary allocations made in the EMP.
 - ✓ Commitment that high density plantation (preferably using "Miyawaki Technique or WALMI technique) shall be developed in 7.5m barrier zone left for plantation through concern CCF (social forestry) or concerned DFO or any other suitable agency.
 - ✓ Commitment that local palatable mixture of annual and perennial grass and fodder tree species shall be planted for grassland/fodder development on degraded forest land suitable for the purpose through Forest Department/ through Gram Panchayat on suitable community land in the concerned village area.
 - ✓ PP shall explore the possibility for plantation in adjoining forest land in consultation with concerned DFO and commensurate budget shall be transferred for plantation to DFO.
 - ✓ Where ever Aushadhi Vatika (Medicinal Garden) is proposed by PP, minimum 50 saplings be planted considering 80% survival.
 - ✓ Adequate provisions of water for irrigating plantation shall be made by PP.

FOR PROJECTS LOCATED IN SCHEDULED (V) TRIBAL AREA , following should be studied and discussed in EIA Report before Public Hearing as per the instruction of SEIAA vide letter No. 1241 dated 30/07/2018.

37. Detailed analysis by a National Institute of repute of all aspects of the health of the residents of the Schedule Tribal block.
38. Detailed analysis of availability and quality of the drinking water resources available in the block.
39. A study by CPCB of the methodology of disposal of industrial waste from the existing industries in the block, whether it is being done in a manner that mitigate all health and environmental risks.
40. The consent of Gram Sabah of the villages in the area where project is proposed shall be obtained.

खदान क्षेत्र में किये जाने वाले वृक्षारोपण हेतु निर्देश :-

- नोट 1 :-** स्थल विशेष हेतु प्रजातियों के चयन में स्थानीय मृदा के प्रकार, संरचना, गहराई को ध्यान में रखकर रोपण किया जाना चाहिए ।
- नोट 2 :-** विषय विशेषज्ञ, उक्त विषय में रुचि रखने वाले स्थानीय जानकारों से राय ली जाने की सलाह है ।
- नोट 3 :-** पौधों की बढ़त हेतु सड़ी गोबर की खाद, केचुआ खाद, आवश्यक होने पर अच्छी मृदा का उपयोग, समय पर रोपण, पौधों की देख-रेख, मृदा नमी को बनाये रखने हेतु मल्टिपल जल-संरचनाओं का निर्माण, निदाई-गुड़ाई, सिंचाई एवं सुरक्षा का पर्याप्त उपाय करना चाहिए ।
- नोट 4 :-** परिवहन मार्ग के किनारे लगाये जाने वाले पेड़ों के चारों ओर ट्री गार्ड होना आवश्यक है । इसी प्रकार स्कूल/ ऑगनवाडी/ पंचायत भवन इत्यादि में प्रस्तावित वृक्षारोपणों के चारों ओर सुरक्षा के इंतजाम जैसे फेंसिंग/ट्री गार्ड आवश्यक रूप से प्रस्तावित किये जायें ।
- नोट 5 :-** भू-क्षरण स्थल पाये जाने पर भू-संरक्षण का कार्य (विशेष रूप से वाटर चैनल के किनारे तथा उत्पत्ति स्थान पर) किया जाना चाहिए ।
- नोट 6 :-** रोपित पौधों का मापदंड एवं अन्य कार्य

क्र.	स्थल	ऊँचाई न्यूनतम	गोलाई न्यूनतम
1.	बैरियर जोन/नॉन माईनिंग क्षेत्र	02.5 – 03.0 फिट	03–05 से. मी.
2.	रोड साईड/स्कूल/ ऑगनवाडी	03.5 – 05.5 फिट	05–10 से.मी.
3.	पौधों के चारों ओर निदाई-गुड़ाई, थाला (1.5 मी.गोलाई में) तीन वर्षों तक ।		

664वीं राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की बैठक

दिनांक 28 जुलाई 2023

4.	आवश्यकतानुसार सिंचाई एवं प्राथमिकता पर जैविक खाद	
----	--	--

नोट 7 :- बीज बुआई एवं अंकुरण पश्चात् देख-रेख –

- स्थानीय स्तर पर बीज संग्रहण एवं गुड़ाई/जुताई उपचार, वर्षा पूर्व रोपण। जामुन, महुआ, नीम, साल बीज का रोपण बीज गिरने के तुरंत (07 दिवस के अंदर) पश्चात् रोपण।
- अंकुरण पश्चात् 4 से 6 पत्तियाँ आने पर, पौधे के चारों तरफ निदाई-गुड़ाई एवं सड़ी गोबर की खाद डालना।
- बीज रोपण तीन वर्षों तक लगातार पौधों की जीवितता एवं सफलता के आधार पर करना।
- सीड-बाल विधि से भी बीज रोपण किया जा सकता है।

नोट – 8 :- रेत के प्रकरणों में (पौधों की ऊँचाई न्यूनतम 1.5 मीटर)

1	एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति की दूरी एवं दूसरी से तीसरी पंक्ति शाकीय पौधे जैसे : खस, घास, अगेव स्थानीय घास प्रजातियाँ।	1.00 से 1.5 मीटर (पंक्ति में पौधों के बीच की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर)
2	4 पंक्ति से 5वीं पंक्ति (वृक्ष प्रजाति)	न्यूनतम दूरी 3 मीटर (पौधों के बीच में दूरी 03 मीटर)
3	6वीं पंक्ति 3.0 से 5.0 मीटर (वृक्ष प्रजाति)	पौधों के बीच में 3 से 5 मीटर

- (चयनित प्रजातियों एवं नदी के किनारों पर भूमि की उपलब्धता को ध्यान में रखकर आवंटित क्षेत्र से बाहरी दिशा में 10 से 15 मीटर की चौड़ाई में हरित पट्टी विकसित किया जाये)
- नोट – 9 :- छठी पंक्ति हेतु पौधों की सुरक्षा अवधि न्यूनतम 3 वर्ष
- जामुन, कहवा, करंज, नीम, पौधों में पौधों की दूरी 2.5 मीटर से 5 मीटर लसोड़ा, करंज, आम, इत्यादि।
- नोट – प्रथम तीन पंक्तियों के पौधों के मध्य में एक वर्षीय औषधि प्रजातियों का बीच छिड़काव।

1	पहली, दूसरी, तीसरी पंक्ति हेतु (स्थानीय घास प्रजातियाँ, खस घास अगेव आदि)	पंक्ति से पंक्ति की दूरी 01 से 10.5 फीट पंक्ति में पौधों से पौधों की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर।
2	स्थानीय झाड़ी प्रजाति के पौधे	01 11.6 फीट
3	चौथी से पाँचवी, छठवीं पंक्ति हेतु बॉस एवं स्थानीय झाड़ी प्रजाति।	पंक्ति की दूरी 2.5 मीटर से 3 मीटर पंक्ति में पौधों की दूरी 3 मीटर से 5 मीटर